1st Paper में date नहीं थे तो Paper नहीं आया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
10/2/22
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

SAN 102

BA 1st SEMESTER EXAMINATION, 2021-22

SANSKRIT

(Sanskrit Padya Sahitya)

Credit (3+0)

(CBCS Mode)

Important Instruction :	महत्वपूर्ण निर्देश :
The question paper is in two sections : Section-A (Descriptive) will be of **15** marks and Section-B (Objective) will be of **60** marks. **Section-A will be deposited at the end of the examination and answer sheet (OMR) of Section-B will be deposited.**	प्रश्न पत्र दो भागो में है : खण्ड–अ (व्याख्यात्मक) **15** अंकों का होगा एवं खण्ड–ब (बहुविकल्पीय) **60** अंक का होगा। **खण्ड–अ परीक्षा के अन्त में जमा कर लिया जायेगा एवं खण्ड–ब का उत्तर पत्रिका (OMR) जमा होगा।**

0365

खण्ड–अ (व्याख्यात्मक)

Section-A (Descriptive)

Time : 1 Hrs. **Max. Marks : 15**

समय : 1 घण्टे **अधिकतम अंक : 15**

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) ______________

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ______________

Roll No. (In Words) : ______________

अभ्यर्थी का नाम : ______________

Student Name : ______________

कक्ष परिप्रेक्षक के हस्ताक्षर / Invigilator's Signature : ______________

Note : (i) Total No. of Questions are Six.
(ii) Answer three questions in all.
(iii) All Questions carry equal marks.

नोट : (i) कुल छः प्रश्न दिए गये हैं।
(ii) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
   (क) पाणिनि
   (ख) भर्तृहरि
   (ग) महाकवि वाल्मीकि
   (घ) महाकवि भारवि

2. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   श्रियः कुरूणामधिपस्य पालिनी
   प्रजासु वृत्ति यमयुङ्क्त वेदितुम्।
   स वर्णलिङ्गी विदितः समाययौ
   युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः।।

3. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर दुर्योधन की प्रजानीति का वर्णन कीजिए।

4. अधोलिखित पद्य की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   अनन्त रत्न प्रभवस्य यस्य
   हिमं न सौभाग्य विलोपि जातम्।
   एको हि दोषों गुण सन्निपाते
   निमज्जतीन्दोः किरणेष्वि वाङ्कः।।

5. 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार स्पष्ट कीजिए।

6. अधोलिखि पद्य की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   केयूराणि न भूषयन्ति पुरूषं, हारा न चन्द्रोज्ज्वला
   न स्नानं न विलेपन न कुसुमं नालकृता मूर्धजाः
   वाण्येका समलंकरोति पुरूषं या संस्कृता धार्यते
   क्षीयन्तेऽखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।

खण्ड—ब (बहुविकल्पीय)

Section-B (Objective)

SAN 102

BA 1st SEMESTER EXAMINATION, 2021-22

SANSKRIT

(Sanskrit Padya Sahitya)

Credit (3+0)

(CBCS Mode)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ____________

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

0365

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures)

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ____________

Roll No. (In Words) : ____________

Time : 1½ Hrs.
समय : 1½ घण्टे

Max. Marks : 60
अधिकतम अंक : 60

नोट : पुस्तिका में 40 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. महाकवि भारवि प्रसिद्ध हैं–

(A) पदलालित्य के लिए

(B) शब्दगौरव के लिए

(C) ओजगुण के लिए

(D) अर्थगौरव के लिए

2. अर्थशास्त्र के रचयिता हैं–

(A) मनु

(B) कौटिल्य

(C) भर्तृहरि

(D) कालिदास

3. 'मेघदूतम्' खण्डकाव्य रचना है–

(A) कालिदास की

(B) भवभूति की

(C) भास की

(D) भारवि की

4. किराताजुनीयम् प्रथम सर्ग के आधार पर पाण्डव निवास कर रहे थे–

(A) खाण्डव वन में

(B) अद्वैतवन में

(C) वृन्दावन में

(D) द्वैतवन में

5. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' का अर्थ है–

(A) हितकारी वचन दुर्लभ होता है।

(B) मनोहारि वचन दुर्लभ होता है।

(C) हितकारी और प्रियवचन दुर्लभ होता है।

(D) दुर्लभ वचन ही हितकारी होता है।

6. ब्रह्मचारी का वेषधारण करने वाला गुप्तचर था–

(A) यक्ष

(B) वनेचर

(C) ब्राह्मण

(D) वैश्य

7. किरातार्जुनीयम् के प्रथम श्लोक का छन्द है–

(A) वंशस्थ

(B) स्रग्धरा

(C) अनुष्टुप्

(D) मन्दाक्रान्ता

8. 'नारिकेलफलसम्मितं वचः' किस कवि के बारे में कहा गया है?

(A) कालिदास

(B) भारवि

(C) भवभूति

(D) वाल्मीकि

9. 'अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता' सूक्ति कही है–

(A) दुर्योधन ने

(B) युधिष्ठिर ने

(C) वनेचर ने

(D) अर्जुन ने

10. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य का प्रमुख रस है–

(A) श्रृङ्गार

(B) करूण

(C) वीर

(D) अद्भुत

11. 'किरातार्जुनीयम्' प्रथम सर्ग में श्लोकों की संख्या है–

(A) 40

(B) 46

(C) 45

(D) 36

12. 'किरातार्जुनीयम्' में वर्णलिङ्गी है–

(A) युधिष्ठिर

(B) दुर्योधन

(C) वनेचर

(D) अर्जुन

13. 'किरातार्जुनीयम्' में समास है–

(A) द्वन्द्व

(B) दिगु

(C) कर्मधारय

(D) बहुव्रीहि

14. महाकवि कालिदास विरचित 'कुमारसम्भवम्' है–

(A) खण्डकाव्य

(B) नाटक

(C) महाकाव्य

(D) चम्पूकाव्य

15. कुमारसम्भवम् में सर्गों की संख्या है–

(A) 18

(B) 14

(C) 15

(D) 17

16. 'कुमारसम्भवम्' कथानक का स्रोत है–

(A) पद्मपुराण

(B) शिवपुराण

(C) भागवत पुराण

(D) इनमें से कोई नहीं

17. 'एको हि दोषो गुणसन्निपाते' सूक्ति है–

(A) कुमारसम्भवम् की

(B) किरातार्जुनीयम् की

(C) नीतिशतकम् की

(D) रघुवंशम् की

18. मैनाक पुत्र है–

(A) इन्द्र का

(B) हिमालय का

(C) समुद्र का

(D) दैत्य का

19. 'नीतिशतकम्' के रचयिता हैं–

(A) भारवि

(B) भास

(C) भर्तृहरि

(D) वाल्मीकि

20. 'नीतिशतकम्' की भाषा है–

(A) क्लिष्ट

(B) अलङ्कार प्रधान

(C) अति गम्भीर

(D) अति सरल एवं सुबोध

21. सत्संगति के प्रभाव से –

(A) मनुष्य की बुद्धि तीव्र होती है।

(B) सत्य एवं सदाचार में उसकी प्रवृत्ति होती है।

(C) पाप आदि दोषों से मुक्ति होती है।

(D) उपर्युक्त सभी सद्गुण विकसित होते हैं।

22. 'नीतिशतकम्' साहित्य की विधा है–

(A) खण्डकाव्य की

(B) मुक्तक काव्य की

(C) प्रबन्ध काव्य की

(D) नाट्यग्रन्थ की

23. भर्तृहरि की रचना है–

(A) नीतिशतकम्

(B) श्रृङ्गारशतकम्

(C) वैराग्यशतकम्

(D) उपर्युक्त सभी

24. भर्तृहरि के अनुसार सबसे बड़ा आभूषण है–

(A) केयूर

(B) हार

(C) वाणी

(D) कुसुम

25. विद्वानों की सभा में मूर्खों का आभूषण है–

(A) जल्प

(B) मौन

(C) ज्ञान

(D) इनमें से कोई नहीं

26. भर्तृहरि ने विद्याविहीन मानव को कहा –

(A) सिंह

(B) दुर्जन

(C) पशु

(D) हृदयहीन

27. 'ज्वर इव मदो में व्यपगत'; पंक्ति है–

(A) वैराग्यशतक में।

(B) नीतिशतक में।

(C) 'किरातार्जुनीयम् में

(D) कुमार सम्भवम् में।

28. निरन्तर खर्च करने पर भी वृद्धि को प्राप्त होता है–

(A) मूलधन

(B) पैत्रिकधन

(C) विद्याधन

(D) गड़ाधन

29. 'कुमारसम्भवम्' में कुमार शब्द का प्रयोग हुआ है–

(A) कुमारदास के लिए

(B) कालिदास के लिए

(C) कार्तिकेय के लिए

(D) गणेश के लिए

30. गुणों के समूह में एक दोष छिप जाता है–

(A) तारों के समूह में अन्धकार की तरह से।

(B) सूर्य की किरणों में कलङ्क की तरह से ।

(C) चन्द्रमा की किरणों में कलङ्क की तरह से ।

(D) इसमें से कोई नहीं

31. देदीप्यमान रत्नों और औषधियों का दोहन कराया गया–

(A) पर्वतों से

(B) पृथ्वी से

(C) समुद्रों से

(D) उपर्युक्त सभी से

32. 'द्विषां' शब्द प्रयुक्त हुआ है–

(A) मित्रों के लिए

(B) शत्रुओं के लिए

(C) नागरिकों के लिए

(D) वनेचरों के लिए

33. पर्वतों का राजा है–

(A) विन्ध्य पर्वत

(B) सतपुड़ा पर्वत

(C) हिमालय पर्वत

(D) नीलगिरि पर्वत

34. वनेचर द्वैतवन में आता है–

(A) द्रौपदी के पास

(B) युधिष्ठिर के पास

(C) दुर्योधन के पास

(D) भीम के पास

35. वनेचर को गुप्तचर के रूप में नियुक्त किया था–

(A) युधिष्ठिर ने

(B) भीम ने

(C) दुर्योधन ने

(D) दुःशासन ने

36. किरातार्जुनीयम् का प्रारम्भ होता है–

(A) ऊँ शब्द से

(B) शुभ शब्द से

(C) श्री शब्द से

(D) अथ शब्द से

37. हित की कामना करने वाले नहीं करते –

(A) मिथ्या प्रियवचन बोलने की इच्छा

(B) सत्य प्रियवचन बोलने की इच्छा

(C) सत्य, असत्य दोनों बोलने की इच्छा

(D) इनमें से कोई नहीं

38. दुर्योधन राजा था–

(A) पाञ्चाल जनपद का

(B) कुरू जनपद का

(C) कन्नौज जनपद का

(D) हिसार जनपद का

39. किरातार्जुनीयम् के अनुसार राजाओं का चरित्र होता है–

(A) सरलता से समझने योग्य

(B) लोगों द्वारा समझने योग्य

(C) स्वयं समझने योग्य

(D) कठिनाई से समझने योग्य

40. शास्त्रों में किसके लिए औषधि नहीं बताई गई है–

(A) ज्ञानी

(B) विवेकवान

(C) बुद्धिमान

(D) मूर्ख

*****